16. शहरी विकास

सैक्टर एक दृष्टि में

वार्षिक योजना वर्ष 2014–2015 में योजना हेतु प्रस्तावित राशि

- आयोजना बजट सीलिंग राशि 210.00 लाख
- राज्य आयोजना मद 52.50 लाख
- केन्द्रीय योजना मद 157.50 लाख

लक्ष्य एवं उदेश्य

- पारम्परिक जल स्त्रोतों का पुर्नद्धार एवं सामुदायिक केन्द्रों/पार्कों में वाटर हार्वेस्टिंग स्ट्रक्चर
- सभी नगरों में फुटपाथ/डिवाईडर/सड़कों/पुलिया का निर्माण एवं रख–रखाव
- स्वास्थ्य की समुचित व्यवस्था एवं स्वास्थ्य सूचकांकों में सुधार लाना
- अवारा गायों एवं अन्य दुधारू जानवरों को गोशालाओं/काजीं हाऊसों में स्थानान्तरित कर अन्य अनियंत्रित संख्या वृद्धि वाले अवारा पशुओं की बन्ध्याकरण की व्यवस्था
- सभी शहरों/नगरों में सड़क किनारे विभाग की भूमि पर वृक्षारोपण एवं उनकी देखभाल
- पार्क स्थलों पर बाउण्ड्री वाल/कंटीले तार लगाना एवं लैण्ड स्केपिंग कार्य
- आवास विहिन बीपीएल परिवारों को पक्के मकान देना, स्लम फ्री घोषित कराना, कच्ची बस्तियों में मूलभूत जीवन उपयोगी सुविधाएं उपलब्ध कराना, नियमन अयोग्य कच्ची बस्तियां अन्यत्र स्थान पर शिफ्ट कर सस्ते मकान एवं आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना
- सभी नगरो/शहरों में शत–प्रतिशत घर–घर पृथकीकृत कचरा संग्रहण की व्यवस्था कर नगरीय ठोस कचरे से उपयोगी उत्पाद जैसे खाद एवं ऊर्जा तैयार करवाना
- सभी कच्ची नालियों को पक्का करना एवं सभी नालों/नालियों को पूर्णतया ढकना
- शत–प्रतिशत घरों में शौचालय सुविधा उपलब्ध कराना
- सभी शहरों/नगरों में सीवरेज लाईन डालकर सभी घरों को सीवरेज लाईन से जोड़ना
- आवश्यकतानुसार सामुदायिक/सार्वजनिक शौचालयों का निर्माण करवाना
- फुटपाथ पर रहने वाले/निक्शा चालकों को रेनबसेरा उपलब्ध कराना
- सभी शहरों/नगरों में आवश्यकतानुसार वृद्धाश्रम की स्थापना करना
- बच्चो/युवाओं हेतु आवश्यकतानुसार खेल मैदान तैयार करवाना
- नगरों की कॉलोनियों में कम्यूनिटी हॉल बनवाना।
- सभी शहरों के वार्डों में मोहल्ला विकास समिति/एनजीओ की स्थापना कर उनको वृक्षारोपण, प्याऊ लगाना, गोशाला संचालन का कार्य देना
- सभी गरीब लोगों को सस्ती दरों पर भोजन उपलब्ध कराना
- शहरों के सार्वजनिक स्थानों पर पर्याप्त लाईट की व्यवस्था करना।
- विरासत/पर्यटन महत्व के स्थानों को विकसित कर पर्यटकों के लिए आकर्षित बनाना
- सभी शमशान/कब्रिस्तान एवं अन्य दाह संस्कार स्थलों को सुविधाजनक करना
- आवश्यकतानुसार अग्निशमन/स्टालर हाऊस की स्थापना
- स्वर्ण जयन्ती रोजगार योजनान्तर्गत लोगों को स्वरोजगार प्रशिक्षित कर बैंक से ऋण दिलाना

नगर निकायों का दृष्टि पत्र

15.1 वर्तमान स्थिति

वर्तमान में नागौर जिले के 10 नगरीय क्षेत्रों क्रमशः नागौर, मूण्डवा, कुचेरा, मेड़ता, मकराना, परबतसर, नावां, कुचामन, डीडवाना एवं लाडनू में स्थापित नगरपालिकाओं के माध्यम से स्थानीय प्रशासन की व्यवस्था है। जिले में जिला मुख्यालय सहित किसी भी नगरीय क्षेत्र में नगर निगम अथवा नगर निकाय नहीं है। जिले में सुनियोजित नगरीय विकास हेतु नगर नियोजक का कार्यालय भी नहीं है। नगरीय क्षेत्रवार जनसंख्या की स्थिति इस प्रकार है

क्र.सं.	नगरपालिका	जनगणना वर्ष 2001 अनुसार जनसंख्या
1	नागौर	88828
2	मूण्डवा	16017
3	कुचेरा	19521
4	मेड़ता	40252
5	मकराना	83329
6	परबतसर	13821
7	नावां	18230
8	कुचामन	50587
9	डीडवाना	44661
10	लाडनूँ	57070
	योग	432316

15.2 योजना हेतु लक्ष्य एवं उदेश्य

- पारम्परिक जल स्त्रोतों बावड़ी/तालाब आदि का रख–रखाव करना एवं उनको स्वच्छ व साफ सुथरा रखना, कच्ची बस्तियों में पीने के पानी हेतु हैण्डपम्पों की व्यवस्था करना, वर्षा जल एकत्रित कर पेयजल आपूर्ति निश्चित करना, पानी की ओवर हैड टंकी का निर्माण करना, सभी नगरों में शुद्ध पेयजल उपलब्ध करना, सभी शहरों/नगरों में सामुदायिक केन्द्रों/पार्कों में वाटर हार्वेस्टिंग स्ट्रक्चर्स का निर्माण करना एवं नगर/शहरों में वर्षा आधारित जल स्रोत का विकास करना।
- सभी नगरों में फुटपाथ/डिवाईडर/सड़कों का निर्माण करवाना, सभी बड़े शहरों में पुलिया अण्डर पास अण्डर पास प्लाई ओवर आदि की आवश्यकता अनुसार निर्माण करवाना।
- 6–14 आयु वर्ग के शत–प्रतिशत बच्चों का नामांकन, सीनियर सैकेण्डरी उतीर्ण करने वाले 30 प्रतिशत बच्चों हेतु उच्च शिक्षण संस्थाओं में प्रवेश की व्यवस्था करना एवं आवश्यकतानुसार शिक्षण संस्थाओं की उपलब्धता कराना, सीनियर सैकण्डरी पास बच्चों में से 50 प्रतिशत बच्चों को व्यावसायिक शिक्षा हेतु आईटीआई व पोलोटेक्निक शिक्षण संस्थाओं की व्यवस्था करना, एवं शहरों की साक्षरता 100 प्रतिशत करना।

- अशोधित जन्म दर 18.4 लाना, शिशु मृत्यु दर 56 करना, सभी 0–1 आयुवर्ग के बच्चों का शत–प्रतिशत टीकाकरण करना, सभी गर्भवती महिलाओं को शत– प्रतिशत प्रसवोत्तर एवं प्रसव पश्चात सेवाएं प्रदान करना, सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर 24 घंटे प्रसव सेवा प्रदान करना, सभी सीएचसी, उप जिला अस्पताल/जिला अस्पताल में ब्लड बैंक की स्थापना करना, सभी राष्ट्रीय मार्ग में पड़ने वाले शहरों/नगरों में ट्रोमा वार्ड की स्थापना करना एवं निगम क्षेत्र में एड्स पुनर्वास केन्द्र स्थापित करना।
- सभी शहरो नगरों के बह्य सीमा पर अवारा गायों एवं अन्य दुधारू जानवरों को गोशालाओं एवं काजीं हाऊसों में स्थानान्तरित करवाना, अन्य अवारा पशुओं जिनकी संख्या वृद्धि अनियंत्रित है उनमें बन्ध्याकरण की व्यवस्था सुनिश्चित करना।
- सभी शहरों/नगरों में सड़क किनारे विभाग की भूमि पर वृक्षारोपण करना एवं उनकी देखभाल करना, शमसान गृहों पर वृक्षारोपण करवाना, पार्क आदि सार्वजनिक स्थलों पर बाउण्ड्री वाल/कंटीले तार लगाना एवं चिन्हत पार्कों के लैण्ड स्केपिंग आदि कार्य करवाना।
- सभी बीपीएल आवास विहिन परिवारों को अगले पांच सालों में पक्के मकान देना, राज्य को 5 वर्षों में स्लम फ्री घोषित कराने के ठोस प्रयास किये जायेंगें, कच्ची बस्तियों में शत–प्रतिशत मूलभूत जीवन उपयोगी सुविधाएं उपलब्ध कराना, जो कच्ची बस्तियां नियमन योग्य नहीं है उन्हें अन्यत्र स्थान पर शिफ्ट कर सस्ते मकान एवं आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना
- सभी नगरो/शहरों में शत–प्रतिशत घर–घर पृथकीकृत कचरा संग्रहण की व्यवस्था, नगरीय ठोस कचरे से उपयोगी उत्पाद जैसे खाद एवं ऊर्जा तैयार करना, सभी शहरों/नगरों में गैर सरकारी संगठनों के माध्यम से ठोस कचरा संग्रहण की व्यवस्था करना, शत–प्रतिशत ठोस कचरा/बायोमेडिकल वेस्ट का एकत्रिकरण करना।
- सभी कच्ची नालियों को पक्का करना एवं सभी नालों/नालियों को पूर्णतया ढकना
- शत–प्रतिशत घरों में शौचालय सुविधा उपलब्ध कराना, सभी शहरों/नगरों में सीवरेज लाईन डालना एवं सभी घरों को सीवरेज लाईन से जोड़ना, सामुदायिक/सार्वजनिक शौचालयों को आवश्यकतानुसार निर्माण करवाना।
- फुटपाथ पर रहने वाले/निक्शा चालकों को रेनबसेरा उपलब्ध कराना, सभी शहरों/नगरों में आवश्यकतानुसार वृद्धाश्रम की स्थापना करना, बच्चो/युवाओं हेतु आवश्यकतानुसार खेल मैदान तैयार करवाना, नगरों की कॉलोनियों में कम्यूनिटी हॉल बनवाना।
- सभी शहरों के वार्डों में मोहल्ला विकास समिति की स्थापना करना, सभी वार्डों में एनजीओ का गठन करना एवं उनको वृक्षारोपण, प्याऊ लगाना, गोशाला संचालन का कार्य देना।
- 0–3 व 3–6 आयुवर्ग के सभी बच्चों को शत–प्रतिशत पूरक पोषाहार उपलब्ध कराना, सभी गर्भवती महिलाओं को पोषाहार की व्यवस्था, सभी बच्चों को विटामिन ए एवं सम्पूर्ण टीकाकरण कार्यक्रम से जोड़ना।

- सभी गरीब लोगों को जो स्टेशन, चौखटी, रिक्शा स्टेण्ड पर काम की तलाश में इकट्ठे होते हैं, उन सभी को सस्ती दरों पर भोजन उपलब्ध कराना, अक्षय कलेवा योजना में गैर सरकारी संगठनों का सहयोग लेना।
- सभी शहरों में पर्याप्त बस स्टॉप बनाना एवं उन पर बैठने की व्यवस्था करना, पार्क स्थलों की व्यवस्था, स्वचालित, ट्रेफिक लाईटिंग युक्त चौराहों का विकास करना, पर्याप्त स्ट्रीट लाईटों की व्यवस्था करना, शहरों के सार्वजनिक स्थानों पर पर्याप्त लाईट की व्यवस्था करना।
- सभी शहरों में विरासत/पर्यटन महत्व के स्थानों को विकसित करना, पुरातत्व महत्व के सभी किला, महल/हवेली, मन्दिर, दरगाह, बावड़ी, छतरियों को विकसित कर पर्यटकों के लिए आकर्षण का केन्द्र बनाना
- सभी शमशान/कब्रिस्तान एवं अन्य दाह संस्कार स्थलों को सुविधाजनक करना, आवश्यकतानुसार बड़े शहरों में अग्निशमन/स्टालर हाऊस की स्थापना, जिससे कि वनों पर दबाव कम किया जा सके।
- स्वर्ण जयन्ती शहरी रोजगार योजनान्तर्गत 2500 लोगों को स्वरोजगार हेतु बैंक से ऋण दिलाना, 1750 लोगों को स्वरोजगार प्रशिक्षण प्रदान कराना एवं 40 हजार मानव दिवसों का सृजन कर रोजगार उपलब्ध कराना।

15.3 लक्ष्य तक पहुंचने की रूपरेखा एवं रणनीति

जिले में 10 नगरपालिका क्षेत्रों (स्थानीय निकाय) की वर्ष 2014–2015 हेतु प्लान मदान्तर्गत प्राप्त बजट सीलिंग अनुसार शहरी क्षेत्र की विभिन्न योजनाओं में निम्नानुसार भौतिक लक्ष्य निर्धारित किये गये हैं

क्र.सं.	योजना/मद	इकाई	लक्ष्य
1.	शहरी स्वरोजगार कार्यक्रम बैंक ऋण	संख्या	600
2.	कौशन उन्नयन प्रशिक्षण	संख्या	500
3.	चिकित्सा एवं जन चेतना शिविर	संख्या	60
4.	थ्रिप्ट एवं क्रेडिट सोसायटी	संख्या	10